PAPER-III
PRAKRIT

Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) _____

   (Name) _____

2. (Signature) _____

   (Name) _____

OMR Sheet No. : .....
(To be filled by the Candidate)

Roll No. | | | | | | | | |
(In figures as per admission card)

Roll No._____
(In words)

D 9 1 1 3

Time : **2 ½** hours] [Maximum Marks : **150**

Number of Pages in this Booklet : **8**

Number of Questions in this Booklet : **75**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. This paper consists of seventy five multiple-choice type of questions.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
   (iii) After this verification is over, the OMR Sheet Number should be entered on this Test Booklet.
4. Each item has four alternative responses marked (A), (B), (C) and (D). You have to darken the circle as indicated below on the correct response against each item.
   Example : (A) (B) ● (D)
   where (C) is the correct response.
5. Your responses to the items are to be indicated in the **OMR Sheet given inside the Booklet only.** If you mark at any place other than in the circle in the OMR Sheet, it will not be evaluated.
6. Read instructions given inside carefully.
7. Rough Work is to be done in the end of this booklet.
8. If you write your Name, Roll Number, Phone Number or put any mark on any part of the OMR Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, or use abusive language or employ any other unfair means such as change of response by scratching or using white fluid, you will render yourself liable to disqualification.
9. You have to return the test question booklet and Original OMR Sheet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall. You are, however, allowed to carry duplicate copy of OMR Sheet on conclusion of examination.
10. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
11. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**
12. **There is no negative marks for incorrect answers.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. इस पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए ।
2. इस प्रश्न-पत्र में पचहत्तर बहुविकल्पीय प्रश्न हैं ।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी । पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे, जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी कागज की सील को फाड़ लें । खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें ।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं । दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात् किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें । इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे । उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा ।**
   (iii) इस जाँच के बाद OMR पत्रक की क्रम संख्या इस प्रश्न-पुस्तिका पर अंकित कर दें ।
4. प्रत्येक प्रश्न के लिए चार उत्तर विकल्प (A), (B), (C) तथा (D) दिये गये हैं । आपको सही उत्तर के वृत्त को पेन से भरकर काला करना है जैसा कि नीचे दिखाया गया है ।
   उदाहरण : (A) (B) ● (D)
   जबकि (C) सही उत्तर है ।
5. प्रश्नों के उत्तर **केवल प्रश्न पुस्तिका के अन्दर दिये गये OMR पत्रक पर ही** अंकित करने हैं । यदि आप OMR पत्रक पर दिये गये वृत्त के अलावा किसी अन्य स्थान पर उत्तर चिह्नांकित करते हैं, तो उसका मूल्यांकन नहीं होगा ।
6. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें ।
7. कच्चा काम (Rough Work) इस पुस्तिका के अन्तिम पृष्ठ पर करें ।
8. यदि आप OMR पत्रक पर नियत स्थान के अलावा अपना नाम, रोल नम्बर, फोन नम्बर या कोई भी ऐसा चिह्न जिससे आपकी पहचान हो सके, अंकित करते हैं अथवा अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं, या कोई अन्य अनुचित साधन का प्रयोग करते हैं, जैसे कि अंकित किये गये उत्तर को मिटाना या सफेद स्याही से बदलना तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित किये जा सकते हैं ।
9. आपको परीक्षा समाप्त होने पर प्रश्न-पुस्तिका एवं मूल OMR पत्रक निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और परीक्षा समाप्ति के बाद उसे अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें । हालांकि आप परीक्षा समाप्ति पर OMR पत्रक की डुप्लीकेट प्रति अपने साथ ले जा सकते हैं ।
10. **केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पेन का ही इस्तेमाल करें ।**
11. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है ।**
12. **गलत उत्तरों के लिए कोई नकारात्मक अंक नहीं हैं ।**

PRAKRIT

प्राकृत

Paper – III

पण्हपत्तं – III

प्रश्नपत्र – III

Note : This paper contains **Seventy Five (75)** objective type questions, each question carrying **two (2)** marks. Attempt **all** the questions.

नोट : इमम्मि पण्हपत्ते **पंचसत्तरी (75)** बहुविकप्पियाणि पण्हाणि सन्ति । पत्तेगं पण्हं **दुवे (2)** अंकस्स अत्थि । **सव्वाणि** पण्हाणि कारियाणि त्ति ।

नोट : इस प्रश्नपत्र में **पचहत्तर (75)** बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न के **दो (2) अंक** हैं । **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

1. The following statement is made by
प्राकृतेती सकलजगज्जन्तूनां व्याकरणादिरहितसंस्कार: सहजो वचनव्यापार: प्रकृति: । तत्र भवं सैव वा प्राकृतम् । यह कथन इस विद्वान् के द्वारा कहा गया है –
(A) नमिसाधु (B) राजशेखर
(C) हेमचन्द्र (D) मार्कण्डेय

2. Nominative Singular of a-base in Māgadhī is
मागधी प्राकृत में अकारान्त शब्द का प्रथमा एक वचन में होता है –
(A) इकारान्त (B) एकारान्त
(C) उकारान्त (D) आकारान्त

3. Prakrit Language is related to this family of Languages
प्राकृत भाषा का इस भाषा परिवार से सम्बन्ध है –
(A) भारतीय आर्य भाषा परिवार
(B) मुण्डा भाषा परिवार
(C) ईरानी भाषा परिवार
(D) द्रविड़ भाषा परिवार

4. The original language of the teaching of Lord Mahāvīra is
भगवान् महावीर के उपदेशों की मूलभाषा है –
(A) पैशाची
(B) शौरसेनी
(C) अर्धमागधी
(D) महाराष्ट्री

5. Life description of Ten householders is found in this Āgama –
दश श्रावकों का जीवनवर्णन इस आगम में प्राप्त है –
(A) उवासगदसांग (B) रायपसेनीयसुत्तं
(C) विपाकसुत्तं (D) अन्तगददसाओ

6. The 'Niyamasāra' deals with –
नियमसार इसका कथन करता है –
(A) कानूनी नियम (B) मुनि आचार
(C) कर्म सिद्धांत (D) लोकवर्णन

7. This work represents Mahārāshtri Prakrit –
यह ग्रन्थ महाराष्ट्री प्राकृत का प्रतिनिधि ग्रन्थ है –
(A) वृहत्कथा (B) गाहासत्तसई
(C) षटखण्डागम (D) सूत्रकृतांग

8. 'U'kāra is excessively used in this language –
इस भाषा में 'उकार' का अधिक प्रयोग होता है –
(A) महाराष्ट्री (B) मागधी
(C) शौरसेनी (D) अपभ्रंश

9. The Ardhamāgadhī Āgama is compiled in written form for the first time in Valabhi by –
अर्धमागधी आगम सर्वप्रथम वलभी में लिखित रूप में इन आचार्य के द्वारा संकलित किये गये –
(A) स्कन्दिल
(B) भद्रबाहु
(C) देवर्धिगणिक्षमाश्रमण
(D) स्थूलभद्र

10. The main characteristics of Śauraśeni is
शौरसेनी प्राकृत की मूलभूत विशेषता है –
(A) त का ज में परिवर्तन
(B) त का द में परिवर्तन
(C) द का त में परिवर्तन
(D) त का य में परिवर्तन

11. Read units I and II for correct match –
सही मिलान के लिए प्रथम व द्वितीय इकाइयों को पढ़िए –

प्रथम इकाई	**द्वितीय इकाई**
(a) त के स्थान पर द	(i) मागधी
(b) द के स्थान पर त	(ii) महाराष्ट्री
(c) दक्षिण भारत की प्राकृत	(iii) शौरसेनी
(d) द के स्थान पर ल	(iv) पैशाची

Identify the correct match :
सही मिलान को पहचानें :
(A) (a) + (iv) (B) (b) + (ii)
(C) (c) + (iii) (D) (d) + (i)

12. This does not occur in place of ṛ in Prakrit
प्राकृत में 'ऋ' के स्थान पर यह परिवर्तन नहीं होता है –
(A) उ (B) इ
(C) अ (D) ऐ

13. The word Ākāśa changes into Āgāsa in this Prākrit language
आकाश शब्द इस प्राकृत भाषा में आगास हो जाता है
(A) अर्धमागधी (B) महाराष्ट्री
(C) मागधी (D) अपभ्रंश

14. This word is used for कृत्वा in Śaurseni Prakrit works
शौरसेनी ग्रन्थों में कृत्वा के लिए यह शब्द प्रयुक्त मिलता है –
(A) करिदाणि (B) कादूण
(C) कत्ता (D) करिअ

15. The word 'Daridraḥ' will be changed into this word according to Mahārāṣṭrī Prakrit
महाराष्ट्री प्राकृत के अनुसार 'दरिद्रः' का प्राकृत रूप यह होगा –
(A) दरिद्रो (B) दलिद्दे
(C) दलिद्दु (D) दलिद्दो

16. Mahākavi Svayaṁbhu has used this name for the language of his Rāmāyana
महाकवि स्वयंभू ने अपने रामायण ग्रंथ की भाषा को यह नाम दिया है –
(A) क्षेत्रभासा (B) देसीभासा
(C) आभीरभासा (D) अवहट्टभासा

17. Dhavala commentary is written on this text –
धवला टीका इस ग्रन्थ के ऊपर लिखी गई है –
(A) षट्खण्डागम
(B) नियमसार
(C) पञ्चास्तिकाय
(D) इनमें से कोई नहीं है ।

18. The language of the Digambara canonical text is –
दिगम्बर आगमों की यह भाषा है –
(A) मागधी (B) अर्धमागधी
(C) शाबरी (D) शौरसेनी

19. Following chapter found in the 'Uttarādhyana' is –
निम्नलिखित अध्ययन उत्तराध्यन में है –
(A) द्रुमपुष्प (B) विनयश्रुत
(C) लोकाचार (D) रोहिणी

20. Niryukti is available in these two Canons
इन दो आगमों की निर्युक्ति मिलती है –
(A) आचारांग, उत्तराध्ययन
(B) दशवैकालिक, चन्द्रप्रज्ञप्ति
(C) दशाश्रुतस्कन्ध, औपपातिक
(D) समवायांग, ऋषिभाषित

21. 'Bhāṣya' is not written on this 'Āgama' –
इस आगम के ऊपर भाष्य नहीं लिखा गया है –
(A) उत्तराध्ययन (B) कल्प
(C) व्याख्याप्रज्ञप्ति (D) दशवैकालिक

22. Read the Unit I and Unit II for the correct match
प्रथम और द्वितीय समूहों को सही मिलान के लिए पढ़िए :

सूची-I	**सूची-II**
(a) वट्टकेर	(i) शौरसेनी
(b) मागधी	(ii) कसायपाहुड
(c) षटखण्डागम	(iii) महाराष्ट्री
(d) उपासक दशा	(iv) आचारांग

Identify the correct match :
सही मिलान को पहचानें :
(A) (d) + (iii) (B) (c) + (i)
(C) (a) + (iv) (D) (b) + (ii)

23. The number of 'Prakīrṇaka' literature is –
प्रकीर्णक साहित्य की संख्या है –
(A) 12 (B) 7
(C) 10 (D) 15

24. This canon does not come under 'Mulasūtra' –
यह आगम मूलसूत्र में नहीं है –
(A) आवश्यक (B) पिण्डनिर्युक्ति
(C) उत्तराध्ययन (D) स्थानांग

25. The last conference of compilation of Śvetāmbara canons held in this place and time
श्वेताम्बर आगमों की अन्तिम वाचना इस स्थान और समय में हुई थी –
(A) वलभी, 5वीं सदी ई.
(B) मगध, ई.पू. तीसरी सदी
(C) मथुरा, ईस्वी पहली सदी
(D) पाटलिपुत्र, ई.पू. दूसरी सदी

26. Geographically the land of Ardhamāgadhī is
भौगोलिक दृष्टि से अर्धमागधी का स्थान यहाँ है –
(A) उत्तर-पश्चिम भारत
(B) पश्चिमी भारत
(C) पूर्वी भारत
(D) दक्षिण भारत

27. Paumacariyaṁ is written in this Language
पउमचरियं इसमें लिखा है –
(A) पैशाची प्राकृत (B) मागधी प्राकृत
(C) महाराष्ट्री प्राकृत (D) अर्धमागधी

28. The author of Surasundaricariyaṁ is
सुरसुन्दरीचरियं के लेखक हैं –
(A) हेमचन्द्रसूरि (B) धनेश्वरसूरि
(C) देवसेनसूरि (D) हरिभद्रसूरि

29. The type of Gāhāsattasai is this
गाहासत्तसई की विधा यह है –
(A) शास्त्रीयकाव्य (B) चम्पूकाव्य
(C) महाकाव्य (D) मुक्तककाव्य

30. Vajjālaggaṁ is the work of
वज्जालग्गं इनकी रचना है –
(A) महाकवि हाल (B) मुनि जयवल्लभ
(C) कवि प्रवरसेन (D) कवि समयसुन्दर

31. Kuvalayamālākahā was composed at :
कुवलयमाला की रचना यहाँ हुयी –
(A) विदिशा (B) कन्नौज
(C) मालावर (D) जाबालिपुर

32. The date of Vimal Sūri is considered as
विमलसूरि का समय माना जाता है –
(A) प्रथम-द्वितीय ईस्वी
(B) तृतीय-चतुर्थ ईस्वी
(C) छठी-सातवीं ईस्वी
(D) आठवीं ईस्वी

33. Language of the Lilāvai Mahākāvya is :
लीलावई महाकाव्य की भाषा है –
(A) अर्धमागधी (B) शौरसेनी
(C) महाराष्ट्री (D) पैशाची

34. The work of Śrikaṇṭha is :
श्रीकण्ठ की कृति है –
(A) सोरिचरित (B) सिरिचिंधकव्व
(C) द्वयाश्रयकाव्य (D) मधुमथविजय

35. Vajjālaggaṁ is :
वज्जालग्गं है –
(A) शास्त्रीयग्रंथ (B) नाटक
(C) महाकाव्य (D) मुक्तककाव्य

36. Number of Gāthās in Gauḍavaho is :
गउडवहो में इतनी गाथाएँ हैं –
(A) 1209 (B) 1109
(C) 1309 (D) 1409

37. Identify the disjoining of the word 'मृच्छकटिकम्'
'मृच्छकटिकम्' शब्द की सही संधि-विच्छेद पहिचानिये :
(A) मृच्छकटि + कम्
(B) मृत् + शकटिकम्
(C) मृच्छ + कटिकम्
(D) मृ + छकटिकम्

38. Rajashekhara is the author of
राजशेखर इस रचना के लेखक हैं –
(A) रंभामंजरी (B) आनंदसुंदरी
(C) कर्पूरमंजरी (D) चंदलेहा

39. चेटी-अम्हाणं एसो प्रभादो, अज्जअए उण रत्तिज्नेव । वसंतसेना - हंजे कहिं उण तुम्हाणं जूदिअरो ।
This word represents for Charudatta in the above mentioned passage
उपर्युक्त गद्यांश में चारुदत्त के लिए इस शब्द का प्रयोग हुआ है
(A) जूदिअअरो (B) पभादो
(C) हंजे (D) अज्जआप

40. Shakara occurs as a character in
एक पात्र के रूप में शकार इस ग्रंथ में आया है :
(A) कर्पूरमंजरी (B) मृच्छकटिकम्
(C) चंदलेहा (D) रंभामंजरी

41. In this Sattaka king Rajashekhara saw a beautiful girl in his dream
इस सट्टक में राजा राजशेखर ने अपने स्वप्न में एक सुंदरी को देखा –
(A) श्रृंगारमंजरी (B) कर्पूरमंजरी
(C) रंभामंजरी (D) आनंदसुंदरी

42. Vasantasena in 'Mṛcchakaṭikam' is –
'मृच्छकटिकं' में वसंतसेना है –
(A) शकार पत्नी (B) महाराणी
(C) दासी (D) गणिका-नायिका

43. This sentence 'Vātā-Vihata-gopura-pākāra' is used in this Inscription –
यह वाक्यांश 'वात-विहत-गोपुर-पाकार' इस अभिलेख का अंश है –
(A) धौली (B) हाथीगुंफा
(C) गिरनार (D) मथुरा

44. This sentence will be filled in with this word –
जो आदिकर _____ सो दुकरं कसति :
उक्त वाक्य इस शब्द से पूर्ण होगा :
(A) सुट्ठु (B) दुकर
(C) कलाण (D) कलाणस

45. The subject-matter of Aśokan inscription mainly is based on
अशोक के अभिलेखों की विषयवस्तु मुख्यरूप से इस पर आधारित है –
(A) सामाजिक पत्र (B) शासन प्रवर्तन
(C) धर्म प्रवचन (D) पञ्चांग

46. Inscriptional Prakrit is used in it –
अभिलेखीय प्राकृत का प्रयोग इनमें हुआ है –
(A) अभिलेख + मूर्तिलेख
(B) अभिलेख + ग्रन्थ प्रशस्ति
(C) हाथीगुंफा + गिरनार अभिलेख
(D) मुद्रालेख + ताम्रपत्र

47. The Hatigumpha inscription inscribed by
हाथीगुंफा शिलालेख को इन्होंने लिखवाया है –
(A) अशोक (B) खारवेल
(C) शातवाहन (D) चंद्रगुप्त

48. The inscriptions of Ashoka found in Girnar is in this script
गिरनार में उपलब्ध अशोक के शिलालेख इस लिपि में हैं –
(A) खरोष्ठी (B) ब्राह्मी
(C) शारदा (D) कुटिल

49. This place is famous for Prakrit inscription
प्राकृत अभिलेख के लिये यह स्थल प्रसिद्ध है –
(A) सम्मेद-शिखर
(B) खण्डगिरि-उदयगिरि
(C) सोनागिरि
(D) गोम्मटगिरि

50. The period of Aśokan inscriptions is
अशोक के शिलालेखों का काल है
(A) ई.पू. पाँचवीं सदी (B) ई.पू. छठवीं सदी
(C) ई. सन् दूसरी सदी (D) ई.पू. तीसरी सदी

51. The subject matter of the Rayaṇāvalī is
'रयणावली' ग्रन्थ की विषयवस्तु है –
(A) रत्नत्रय-निरूपण
(B) रत्नों का विश्लेषण
(C) देशी शब्दों का कोशज्ञान
(D) प्राकृत के मुक्तक काव्यों का चयन

52. The author of the Pāiyalacchināmamālā is –
पाइयलच्छीनाममाला के लेखक हैं –
(A) हेमचन्द्रसूरि (B) हरिभद्रसूरि
(C) गुणचन्द्रगणि (D) धनपाल कवि

53. The language of 'Kavidarpaṇa' is :
'कविदर्पण' इस भाषा में है –
(A) पालि (B) प्राकृत
(C) संस्कृत (D) अपभ्रंश

54. The number of total matras in Prakrit Gāthā is
प्राकृत गाथा में मात्राओं की कुल संख्या पायी जाती हैं –
(A) 42 (B) 47
(C) 57 (D) 62

55. The Deśīnāmamālā was composed in this century :
देशीनाममाला इस शताब्दी में लिखी गयी थी –
(A) 12वीं (B) 10वीं
(C) 9वीं (D) 14वीं

56. This statement is true :
यह कथन सत्य है –
(A) बाणभट्ट ने प्राकृत छन्दग्रन्थ लिखा है ।
(B) कालिदास ने अपने नाटकों में प्राकृत का प्रयोग नहीं किया है ।
(C) हरिभद्र ने प्राकृत अलंकार पर ग्रंथ लिखा है ।
(D) आनन्दवर्धन ने ध्वन्यालोक में प्राकृत गाथाओं के उदाहरण दिए हैं ।

57. This statement is not correct –
यह कथन सत्य नहीं है –
(A) प्राकृत में शब्दों के आदि में संयुक्त व्यंजन होते हैं ।
(B) कृष्ण शब्द का प्राकृत रूप कण्ह है ।
(C) प्राकृत में स्वरमध्यवर्ती 'थ' के स्थान पर 'ह' होता है ।
(D) सरित् शब्द का प्राकृत रूप है – सरिआ

58. Example of reciprocal assimilation is
पारस्परिक व्यंजन समीकरण का उदाहरण है –
(A) सज्झं (B) कल्लं
(C) कम्मं (D) सव्वं

59. Example of palatalization is
तालव्यीकरण का उदाहरण है –
(A) पडिण्णा (B) चिलाओ
(C) रग्गो (D) रक्खसो

60. Example of the development of diphtongh 'au' into Prakrit is
औ स्वर का प्राकृत में विकास होने का यह उदाहरण है –
(A) रहसो (B) कउरव
(C) केसुअं (D) दइच्चं

61. This is not an example of the Prakrit form of 'Prathamaṃ' –
'प्रथमम्' शब्द का प्राकृत में यह रूप नहीं होता है –
(A) पुदुमं (B) पढामं
(C) पुढमं (D) पढमं

62. This is an ideal example of Śauraseni in the development of the word bhavati
भवति के परिवर्तनों में शौरसेनी प्राकृत का यह प्रमुख उदाहरण है –
(A) भोदि (B) होइ
(C) हवइ (D) हुवइ

63. Initial 'ya' of Prakrit is changed into –
प्राकृत में आदिस्थिति 'य' के स्थान पर यह होता है –
(A) व (B) ज
(C) य (D) प

64. चाउज्जामो य जो घम्मो जो इमो पंचसिक्खिओ ।
देसिओ वड्ढमाणेण पासेण य महामुणी ।।
The above gatha is from this text –
उपर्युक्त गाथा इस ग्रंथ में है –
(A) उत्तराध्ययन (B) आचारांग
(C) णायकुमारचरिउ (D) द्रव्यसंग्रह

65. 'मुक्कपासो लहुब्भूओ विहरामि अहं मुणी' ।
This is the statement of
यह उक्त कथन इनका है –
(A) केशी (B) नेमि
(C) गौतम (D) देवेंद्र

66. 9th Chapter of Uttarādhyayana is
उत्तराध्ययन सूत्र के नवम अध्ययन का नाम है –
(A) विणयिज्जं (B) चाउरंगिज्जं
(C) नमिपव्वज्जा (D) एलयं

67. The first chapter of Pravachana-Sāra is
प्रवचनसार का प्रथम अधिकार यह है –
(A) ज्ञेयाधिकार (B) चारित्राधिकार
(C) ज्ञानाधिकार (D) सम्यक् आचार

68. 'Upahāṇa-Suyam' chapter is found in this text –
'उपहाणसुयं' अध्ययन इस ग्रंथ में है –
(A) आचारांग (B) उपासकदशा
(C) समयसार (D) द्रव्यसंग्रह

69. The author of Pravacana-sāra is
प्रवचन-सार का लेखक है –
(A) माघणंदि (B) वसुनंदि
(C) कुंदकुंद (D) हरिभद्र

70. This is a Saṭṭka –
यह सट्टक है –
(A) वसुदेवहिण्डी (B) द्रव्यसंग्रह
(C) कर्पूरमंजरी (D) गाहासत्तसई

71. Author of 'Ṇāyakumara-cariu' is
णायकुमारचरिउ का लेखक है –
(A) रइधू (B) स्वयम्भू
(C) जोइंदु (D) पुष्पदंत

72. A.N. Upadhye is the editor of
आ.ने.उपाध्ये इस ग्रंथ का संपादक है –
(A) आचारांग (B) णायकुमार चरिउ
(C) प्रवचनसार (D) सन्मतितर्क प्रकरण

73. The editor of Karpūramañjari is
कर्पूरमंजरी के संपादक हैं –
(A) स्टेन कोनो (B) आ.ने. उपाध्ये
(C) पी.एल. वैद्य (D) हीरालाल जैन

74. Read the Unit-I and II for correct match :
प्रथम तथा द्वितीय इकाइयों के सही मिलान के लिए पढ़िये –

इकाई-I	**इकाई-II**
(a) पुष्पदन्त	(i) रावणवध
(b) सिद्धसेन	(ii) प्रवचनसार
(c) प्रवरसेन	(iii) सन्मतितर्क प्रकरण
(d) कुन्दकुन्द	(iv) णायकुमारचरिउ

Choose the correct answer :
सही उत्तर का चुनाव कीजिए :
(A) (b) + (i) (B) (a) + (iv)
(C) (d) + (iii) (D) (c) + (ii)

75. Name of the first chapter of सन्मतितर्क प्रकरण is
सन्मति तर्कप्रकरण में प्रथम कंडिका का नाम है –
(A) अणेगंतकंड्यं (B) जीवकंड्यं
(C) णयकंड्यं (D) विणयकंड्यं

Space For Rough Work